kulgam 65432.pdf **This Manuscript include**

Ekadashi Vratas - Durva Astami Vrata - Maha Lakshmi Vratas- Amareshwara Mahatmya

Ekadashi Vratas

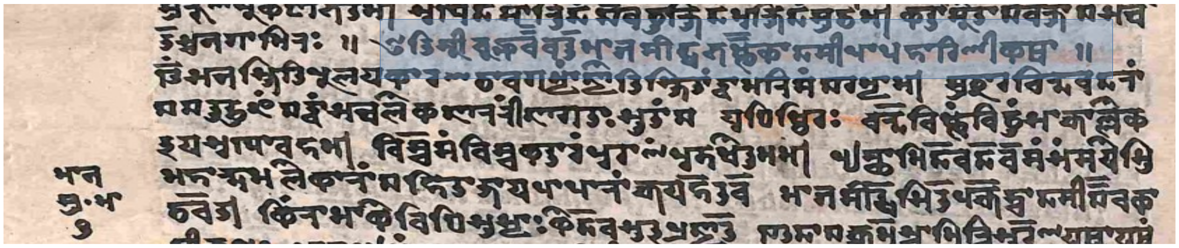

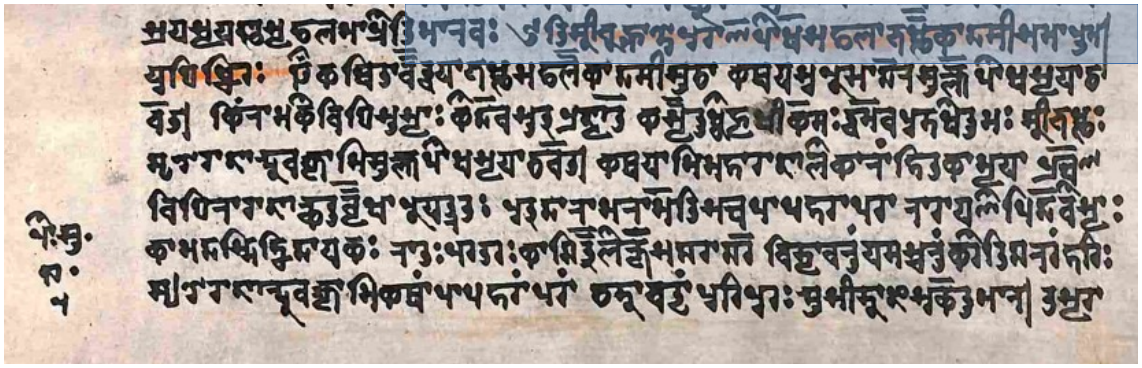

Durva Astami Vrata

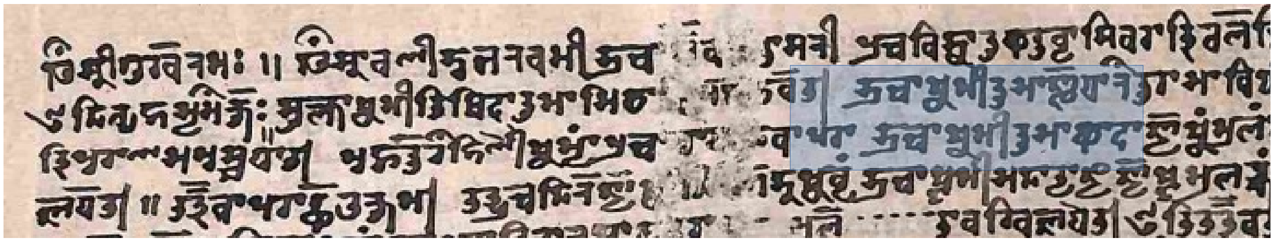

Maha Lakshmi Vratas

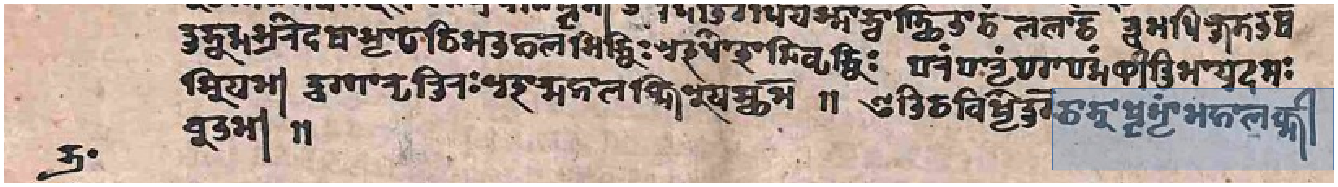

Amareshwara Mahatmya

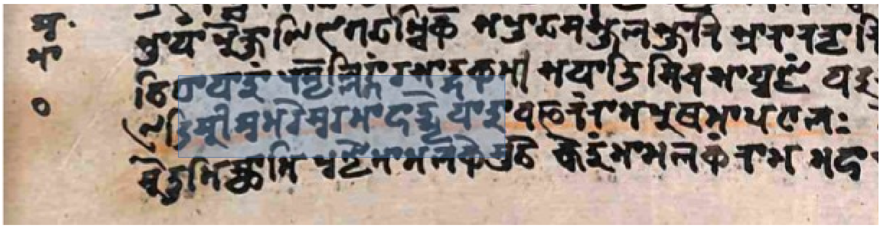

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

इयणिभक्तस्य फलं लभेत् । यः [illegible] तिथौ [illegible] भगवंतं भजेत् [illegible] कार्तिके फलम्
[illegible] । कार्तिके [illegible] । [illegible] कार्ति
के [illegible] । यः [illegible]
[illegible] कार्तिके [illegible] कार्तिके [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] । कार्तिके [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] कार्तिके [illegible] । [illegible]
[illegible] कार्तिके [illegible] । [illegible] कार्तिके
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । कार्तिके [illegible] । [illegible]
[illegible]

म ।
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
परिकीर्तितम्। [illegible] दीपं [illegible]
कोटिगुणितं [illegible] फलम्। [illegible]
[illegible] नियमं विना [illegible] कार्त्तिके यः [illegible]
[illegible] कार्त्तिके विष्णु [illegible] फलं लभेत्। [illegible]
[illegible] कार्त्तिके [illegible]
[illegible] कार्त्तिके [illegible]
[illegible] विष्णु [illegible]
विष्णुकथां [illegible] विना। [illegible]
[illegible] कार्त्तिके [illegible] विष्णु [illegible]
[illegible] यः कार्त्तिके [illegible]
[illegible] कार्त्तिके [illegible]
[illegible] फलम्।
[illegible] फलम्। [illegible] कोटिगुणितं [illegible]
[illegible]
[illegible] फलम्। [illegible] यः [illegible]

का॰ मा॰ ३३

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मत्तापद्मनिधिवित्ते विमसत्त्वसत्त्ववनवकत्रिलिकयता वत्सवस्त्रविलंबापत्रस्त्रैत्तवत्त
घ वकुल मधुपलंत्रनिधुकधिलकत्तपि मालातुला भुमालत्रममत्रमालात्रपः [illegible]मीः
कञ्जत्रवद्रेधत्तत्तपित्तीभुघ मल्लकीकारत्त्रुत्रपलत्तपित्तपि मकंत्रवपलमत्तम।
गलत्रमकत्तपि वनमत्तकत्तका पूगलत्रकात्तपि ममत्रधत्तगत्तवलीकत्तत्र
निमत्तत्ता उद्घवनगात्तमत्तकलत्तमदमदमदत्तत्ता प्रथमंत्रमत्तत्तकत्तीगलमत्र
गत्ता त्तमधुमित्तयमभमत्रत्त्रगात्तपःत्रंमविमात्तत्रत्तमीतभवापदमद
मत्रदमित्तमत्तमत्रविविनेनुपः त्तमत्तमत्तकविकत्तघ त्तवंमसत्रगत्तां।
पेमत्तगत्तवी [illegible] पीकित्तत्तत्रत्तत्रपवति मित्तयमभवा।पतिःमंत्रगलक
त्तः मयात्तकिंदंत्तकत्तभूपुंत्तःपंयतीत्तमं मयामत्तपीतिमेवःमकत्तत्रतिवमत्त
वत्तकत्तमत्तेमेधित्तमित्तत्तलत्तैः पूत्रत्तविमलकलंधत्तवत्तविपालितःकमदत्तःपु
मयापूत्तमीत्तमंमत्तमदत्ता।उतिमित्तपरित्तलत्तामत्तपत्तवनमा मत्तत्तपूत्त
नमरित्तधुमत्तत्तमा। मत्तमंमुवमत्तमपत्तिनीपरिमितित्त कत्तत्तवंत्तकरालद
मेत्रमितित्त मकरैत्तत्तमत्त्रत्त्रलत्तमैवत्त मभिपिमत्तमधुपनीनमत्तमत्तत्ता।
मत्तत्तलत्रीवत्तत्तत्तैःत्तमंमिति: मत्तत्तत्तनेत्तमपमत्तत्तकाःपूत्तत्ता

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भ० सु
ह०
३

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

भुभूकमयवृद्विनं दलं उभूजीरभनीकभूत्कव ॥ नैगाभंलपं जदेवलभद्रा विश्रुवक्षुव उपभउ
भः भवजीदनयउभभ्रूजीनभगउः क्रिउः पमक्ष्यकभद्रू भनीभूतंभिउ भूउना गुउ
ञलिभदेरश्मङ्कवञ्च भनः भनः भतुमभेपिभत्रयः भूभवत्रापउेवयभ। कमयिञ्जभिव्रंप
हेउभनभिवञ्उ ग लेवाम केठवत्रेश्उभउेकिभगञ्ठवङभपि किभजेभंभद्र उप्रयभञेव
मउभिनउः भवयङ्मः विञ्जमेववयगलञ्चनउभिदमणउः भम्पिविकदुभयत्ते उभ
मञ्जभनदि भहूहेकमभीवलभूउमनभवभउः भउभनहूभेविक्ष्भः भउभैकमनीयनः
उभ पक्षवेभंममयेभहेभउप्रेञनेभदवा यमिउभ्र ठवत्रेवेभउेभिमीयउंउभ भवयः
चवत्रे ढिवभेरलभूउमनभवञ्उ पकभमीउ विष्णउपरिगुउ भूउभउभं चतिषेक वे
भकेकमवभूभूभणउः भवभुउवगलेवृभउभूञ्ञिवविभुउि ञहेवंवमनउेभंसङ्क हू
भूतेउभं भनीनभ्रयपमेनभूउमम विपनउः भुभद्गंभरलवउभनीवउ भनः भनः ञु
लगभगपेदर एरञ्जीणउं भभमपे भहेञउभूउकलेउलञ्जीवउ भपूरनग पिउीवेष
यभभभूलपलेवञ्जवभः उभदहूलकउ हुभउभूउभवउभ लेकूनंञ्जपिउउयञव
नूकपिउंभय पकमिडुंउयेभञ्ज ञचवि भउमवञुं भउ भूपेदलेकेवंभ उपुञ्जनगभिनः
पंन ञ्जूवभूदू लनञ्जवेपउ दलं लञ्चा ञउभीपेभञ्जभउभैकमनीभमयभा ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ॐ नमः भूर्लोकभवभूर्भुवः पञ्चवक्त्रस्तवः [illegible] विविधविधिभिः भव
[illegible] भवभेदिनः [illegible]
नकेन [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भं° १

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] 3

पर पवित्र [illegible] । [illegible]
नैव [illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

५क

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

भगां तत्त्वविकृतै श्रीरामः सततमाह्निविधूवनमुलयमविषि अपितथूत्रैः मतंसव-
भुवनाय वै त्वयात्र क्षितै सेनजत्वमि विमानितत्रुः लक्ष्मी नैवमत्तं मठिरमधूनवेतम ङिकलहि
मानिमृधिमृत्तं तेतत्तु मिघ्रुति रमयमूभूतवेन विलयीतं ठविघूमि स्वमकारु मवतत्तु भुंव
मपगातः धनिः मृगापिवति पीतमसीदते यत्तूर्य तत्तूगृन पाममृष्ठसेनते विल
यित्तवता तत्तुमूभमिते मक्ष मतव पपमू मिनी रकसमीमिविलयवामिविलयम
यिनी ममतूर्थेलयेवत्तंत्र विघूमिमवनरः विपिष्ठ्रमूयतमगू भूते वैत्रियतंतउभा सम
धूमिविमरमत्नतूभमिकंतृकायता दैमंवारल्प्रतेवपिसमूलं वपिमं तयभा तृष्टिप
वितृमृहि वेलश्रीनायमू इतिभा एवंविपायते नैवमूतः भ्रनेविपायस विष्णुलंकृप
यतूंतकमभ्रूत्वलेपतेः ततभिऋ्यविकेलेस्यूपत्यनाविमिधतः मतुपत्रमवमूत्रयव
नमृपवितृमिता त्रपमीपैमतवमूहैत्रैवहैविविपिमूव तत्सूतृतिनेरमनीयतलक
मतम रहिंलगाल्पैवतृत्वंतगमूमविषि मसमीमिविमैमूमिवावत्रुमितेमाते नी
तगृतूल्पलेतूहृनहूः मृमवनेतव उदगावधववर्णीयतेनमपमितूम स्वत्रूःम
पटिंतमतूक्रत्युत्रूलमित्रे मपीलवाविमियनिमदत्रूमूनतेनवें मनेनैवविपने
नरपवं ममूलीयक कतूरैकममीरमविलयविलयमूल ऽततिमूत्तेतेभितयव
मूतंमवाघ्रिलू मकारमवैरलतूतनंसूतमतमभा तहृतवातमीलैहमूतः पयमं
वितिः सनकीमिवमं मूपुविदत्रूवैमवल्पः मनेनविपिवारल्पतूत्रूवमितेतमः

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मध्ये लग्नाल्लग्नेशनवं केन्द्रि फलं लभेत् । भवेत् शुभग्रहकीकन्दे हि धतत्वाज्जितलभतम पतन्तुरंमम
मध्यापं केन्द्रफलं हि मे कर्मादि ग्रंपवित्र मकर्म दद्यपयुक्तमिनी कर्मदद्याल्लग्नेशनवं केन्द्रि
फलं लभेत् । वर्मिषुः कस्य मिभक्त भागा याव्वय भक्तवद्धि शुभग्रहकी भकवी दत्तच पापयुक्तमि
नी एककल्वधर्ष्ठे त्रन्धमूर्तव वर्णकम नमूर्तिव धगलपूर्धिमगारमम तद्देव दिदिवम:प
मभन्नमततः लग्नपवक्तृपाम मदद्य तःपत्रभद्रपम । तत्रे भूलपतिपक्तमूर्णपस्तु मिममभूते
ग भूविवत्तिमूलपत्तःमतूर्भे विपपतद तम्मद्विमि:मम्मद्व भूतपदीहक्रेतम मपापविम
पवक्तल फलभेत्वन्नपभिव मवेधं मैववागाः भामिवृत्य पूर्णकीर्ति वक्त्रभमान्त्यमूर्तिः
मिमतावेरभःमूल:देवम नववगनुच तृक्रायकामपवत्तगत्ता । मम्पलमन्दरावभवमनदंथीष्ठ
तव भूलनता मूलस्वस्तृमूव मूपदवती नविधिपूय तं मधुभूतेभक भगा:पाविमर्पवभनक्तः
नष्टनीभमृतंवावां मित्रुयत्रे पिमंमिवृ: नवंमित्रुयदंत धंव गुवकामतीविली शुभग्रहकी
लक्ष्हे धपूवा वैष्णवी भत मध्य:ममाकदेव नवं केन्द्रि फलं लभेत् । मूलनाद्विवु लग्ने
वभक्त्याद्रिवुल्लग्नेश मध्यत्तुवपयत्रमेष्टहे शुभग्रहकीभक भवपपदमधृतवेष्णवीपप
नमिनी तथा भूलेमूर्ते विष्णु मध्ये प्रविपिवभक्तः कृते मठाव कृतः मंमित्र:पावमितुः
मपाप भामितु:भवेवैविमपाप मूलदेव:पलेधुव भतेमव:भषे शुभक्त पुत्र भूलनं
पतय:भवेत्फलं धुव धृवं मित्र:भव देवभयी हि धपरा शीवेकधितभय तभक्तुलं तभहे हि ध
विष्णुभक्तं पर्यपल्ल: इति ध्यानः केतव त्रेदश नीभः कर्मादद्यारल्लग्नत्तः देवैर्वयमिव

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मन्त्रः कवचमस्त्रयफडन्तम्। ध्यानम् यः कुन्दमचक्रुस्तं तं कुवनतं मम चमः मंदुरकवि
यस्त्रमेदविष्णुः भवन्तः उभ्युतदेवदेवस्पृष्टाधिदं युक्तः पुरः नवानिमिंदं देवं मुंडं उत्पू
जमः नमिश्रुतं भूतुरय श्रुमनेवाभमनेन मशृतयवनमिनिंहं भवतयवनमिनम: नमिमनयमु
मयियतिमयवनमिनमः नमिमयृथमस्तुन्तलगन्धमभनमन्न नमिमिवानिमिवयमाणव
यनमिनमः एवंभुतः मधाधिष्ठिभुतेयतगावदनि: भुतवनमनन्दीभनतीभूंकिदमनिवः
ध्यानं: यदि तुष्टिमितगावतम्नभंदितकक्षय युक्तिकिश्चित्त्व मपूदितिनमिवकलभूतम्।
मनमनूदूभूंभूतमन्नमनुश्रिकानकम्। भूतयमंदफलंवृत नमधुमंनुभम्। नत्वेवयो
नदेवमविष्णुलेकिमनीयतु विष्णुः तत्तुलभलापकंतुभुष्टलिकवनमीयत चवेद्धम
मनभूष्टमनभतुकनभिनी विमधभृतकंतुहः मन्त्रं शुद्धिलयभ्युवः शुभमुक्तिमभंभू
ष्टलगातुकनयेत्। भवयपविनियुक्तेनमनमूतललतेत्। नसुः कम्यिं विष्णुः युतनमतुभंतृ
उभुतमम्। नवविदंभुंतभं विष्णुलेकिभुतिवदि ध्यानं: ध्रुवभूभुविविधं दिवपतिभुतं
कथंतवेत्। किमलुः केनभक्तारादिवत्तःके भूकीत्तिः कथंदनंकथंशुनंकश्चन्द्रविधिः
भाद: मभूतननभूभंतुंकवचमस्त्रयफडन्तम्। विष्णुः भूयतंयेविधि:मभुभूतुभुष्टि
लभूवः नकश्रुमिन्नयभूतभनुहवतिदुरुले नकनकंतुनियमंगाशुधीयदिलभतुभः
नकन्नूतंनिननाः भिन्नसेवपानति ठेत्रामिथन्तरीककमालम्भठवमुखे ऽपि
वंतुनियमंमनुणवनयचकम्। नयेत्तु इतिंमंशुं भुवपमधन्तिनेनानां दितजन्तिवम ०७

दमनुगदद्रापिठधिलः स्पधाक्लिउउः प्रनं विपिवक्रायेजुपः नहुंउदकेडुपेवगदिवधिय
उन्मवगा भुडिकलभ्युनं प्रनेउउः प्रनं मकायेशुंचेडा इमपः भवपेनीनं लीवनंयलारक
भभ् पुदल्लिकिमद सिनं रभनं पउयेनमः प्रजिदं भवडीनेधुपिनिरिपूभवल्लिप्रुम नदीधुप
वापउधुद्विमंप्रनंउमठवेडा ७उिप्रनभड्ः ९भमपिउवामेवकायधिइपिरिम्भयभा
भाधाइयं भवलधुउमदव वेनवभनः गादभगत्तु ९मउघदेभमकायेडा उउस्नुभ
मकीगरु इवेपञ्चभंपउः नुभद्रहदृपेगडपाविमिद्रभभउउः नुपयेङ्ललुउभ
भनंभनुप्रवकभा पानुगनुभमिपेउमिवृगदुदिवमिउभा कैइपनदभंपडुजंमदनहुम्नमलि
उभा भूगलललक्षिउनुपिंभवउपविउपिउभा मीपभलजुलं उदनुचउः भभनेराभा
उदुपविनृमद्यइमिहूभलपुद्रपिउभा पहूपवितृमद्यवं ९भमनृभदमुठभा विमेक
यनमः पक्लेनुनीविसुपिल उनूयमउउधूकर्पिदभिमरयम उमरेपञ्चनठयाउ
रः मूविवनुणविल मडिल्लवभनदेमदक्लिगाक्षितेनमः वेजुठ्यनमः कक्तेपुम्रियद्रु
भापयम विमिकयमनभवंवपूलिवयमकिलिः ललूदवभनयेडिवभयेडिप
नहूवे नमः भवद्भूनेउलुद्रु ९ मिउपुपल्लयेडा प्र९भद्रः उउमेवगदिमेवयमपुद्रमेवपू
दपयेगा ठलिनमेवमुद्रल्लठजियुजेनपिउभ मद्रुनमः उउ९गाल्लगुदहुजियुजेन
नाउभ नाउजीडः भवदिइदम पुनविनपि वेढुवेशुउघापुनेः गपवस्कवैनिमुठभा
भूमलिल्ल उउः जिद दभम्नायघविपि मभूपिकंमउमेवमधूविंमलिउेवम उउः भूतउ

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ३१

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ति स्वल्पमूदम्। विष्णुप्रसंगमिव प्रसंगे दोषं दृष्ट्वा पिशल्पनम्। उवेद्यु विविमेघ – कृत्तु दिवृत्तु भुवि वृष
यः कोऽपि मितिः सृष्टेर्नु वनवैरत्र प्रभवैः उत्कलिकैः वाले भ्रुव नैव हृते भुमनेदाः ३पिद्रीव
विमेघ – योनी वृदे विठिपुरयम्। भवेप पालयंय त्रिउमः प्रदिमयेयघ किमत्र शनेश्रुम
वर्णनभनः मूत्र योनीभुगीभूतं स्व – मृववपपमूस त्रिवत्र। गद्दे ष्गाय – नव प्रदवाहृवि
मेघवः पत्तेः पूक्तह हलीयं भूतनः पपनूभुम्रुउ नोस्तमकरघ ठिश्रुभ उरं भद्रमनम वृ
कृमद् – मे नेनउ पवम्मे नृमैवदि उत्तलंभभवप्रेउि गृहव मेधूपिममभम्। पूउउ विभलिम
कृप्रनं नहृ वदिल्लले विष्णुः प्रदेउः तव मृषेः प्रपंत्र्य वैवाद यघमत्रि यघ कलं मूकृ
हेलयेवृत्तना वतुवने – भ्रदिहेकुश्रीयत्रमनत्रम्। पुत्रुं तउवृत्ता – मवपपवयेठव
ग कयिकं वमिक वेव भनभंव पियकृउम्। उत्तुवं मवदवमृत्नभ मन्न श्रुवि श्रुः भववी
हेध्ययकृपं भव मनेधपद्रुलम्। उत्तुवं भभव प्रेउियिनीवृदः भूम मउः भववण भन वृषं
मुषुवेक ममीकघम्। उह्रुलंभभव प्रेउिपेगीभुवदभृउनयत्र। मक ममीकघं भूत्रयः
मृदेउि दनि भूयम्। भवपवेः पुभुमेउ विष्णुलेकमगस्कु उ ॥ ॐ ति मूवकभ शालिमु
विभ भवन्नैक ममीभ दनुम्। ॥ ॐ पुलिम्प्रुः ॥ ठगावतृउ भिष्ठुभि कुत्तनं तुउभउ
भम्। भवपपकूमैव वलंभमउिनंउघ भृदेउभमृत भमद्रैकघं मूहृ दिकविपिः
पुउमृ किंवलं उपृ केदेवमूउ पूदृउ शपिभ मेउभं भुपे पुउं मृ दि [illegible] कमृतनमृ
किं भृहं किं कउरृचउिः पृठे कवेशनमकिं एपुंकवेशपवपिः मउः किंठेद्र भउम

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] १०

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

यथनमनो नत्वा भगवतः कंसिद्धः यत्न मकांधरम्। यन्नभिद्धं हृभवेकं ठलश्चित्यपाशिव भूष
वठागवत्क्षः भूगन्तिविनमतः दुःपनमयोत्हृदुः भवलेकमयपरः मुपुत्र्यपिकमभि
यंयहः यद्वर्ष्वियः ३३पेकमानीनयुकमल मेलनमिनी ३ं मनियमेगलत्रथव
मनठक्षि: गहेशणुल्नेवठगवतेभभसूय भोहेगपिश्रियेविष्णुभगणयभनीपते ८ह्
गवस्मनयेनीगलवेभविभ३भः भनःभूवमइगण्कवंकेव विष्ठवेत्। भोहेःकेव
भुवक्षवभूपंभूविमिमनत्यभ। गलवः भ३क्त्यभवम गवभुगल्यंयत्म भूणि
के:भोहेपेंशुविष्णुभगणयेत्म मनमिद्धंयभभभोमंयरहंयभवैयराणुभ।
भुक्त्वंयत्नेभभयविहेवावेहंवामंयहु गुओतुल्मवंतुल्हीवंतुगुह्यकभ।
गुल्सतेकावक्त विष्णुलिष्णुभहस्रभ। लक्ष्मीपतिवभृत्वंवभमवभवनलभ। व
भनगदिवलेभक्तमाल्मूपे. ठगत्कभिनंहवंयभक्कुमकभ। ठक्तिगभु
मणीविमंक्रुयेक्रुयेनभभूतभ। हेववक्ष्नभगोंहेिणद्गनभदेस्रभ। ३लः श्राहूं
भीमनंक्रुयेक्रुयेनभभूतभ। ८हमिठिःभोहेयवैविष्णुठलभभदिभ। अनगल
ल्वैःभवंवुक्ष्ठेणंस्रधञ्चलनगा यदिश्रीत्वभव इनभ्रूयं दिकमन गहें यभणक्षः
भूल्यलनभवेत् ८श्रिमूववलवहवमनंभभभदिः नवभूलकिल्ववस्यभ
शुभदं भुवि ३३भेनेवविधिनभंभूनमभभ्रमनभ। क्तेववसन्धयरंभिहुमभू
भवन्ना ३भहुवभूयहेनठगवद्गिगीक्षः भूहेःकीर्तिवहृष्टविभक्तवेनश्र्योमिम।

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

श्रीगुरुः पतिविष्णुरुद्रमुखकमलनाभनाभः एकादशीविधानेन मुखमभ्युदयायुतः स
र्वदैः सक्रमेऽस्मदभक्तपदेऽपि प्रस्थैर्ल्ललनैश्चरणैश्च भवेयम सस्वमवेदनल
पत्रैहैरिभिर्मानितिश्रिताः यं गत्वा भगवत्प्रीतिं गत्वा भगवत्प्रपन्नाः । एकादशीव्रतफल
फलं प्रीतिविशिष्टम् । विष्णुप्रीतिविष्णुशीघ्रफलमिष्टं तथा भक्तं प्रीतिभिर्जगद्गीबु
द्धं ह्युपवासः एकादशीव्रतं धर्मदं तु सर्वपापहरः भक्तानित्यः पञ्चदशीसु प
ष्टभवं भवः सुहृदं तत्पदमिति पः प्रपूर्वमवम भवेत्समर्पयेत् लक्ष्मीहरदं विम
लं तु भक्तवत्सलं तेन तत्पदं एकादशीतिथिः यत्स्मृतिर्विफलं कीर्तिमभ्युदयप्रदम् ॥
इति श्रीभक्तजनवल्लभकमलनाभस्तुतम् ॥

श्री. ग. १५

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

इवमकुलेष्विय: भनेविभिकानिकष्वुभिमानीठवदनाउ नवंपश्च दिमनभुसवगाकुठभमु
उ: पभिपविकानमनेकष्वुवंपाउकभिवि कुङ्कुवंभुश्चिभकनंकधुःठले उत्तिमूशउव
मनंमूवनभुठपङ्कं वन्दूपाउभिवदूभ्रुभठ्ठुष्ठीविकुवउ:कम्पवउअष्टिठिमउमुवनंनु
उि भूभमंकुनठिविभुमपनुगूदकनक भवुनवगाउिचुमनघनंठवाउिम भजिंम
पभूकघयकघवकिनवविठि मुठिनकनुमुद्दिमपभजिठवेहुउ: भनि: मूयउव
मनंभउ:मपभजिकोपनं मेशुभभिनष्कुपविभिमानमउविननभिनी पपभिमानिकनभ
भवपपनाउिधि: यनभवैभभपयाउिभिमानमुंमयभूिउ उुहकनुवमभुम्नवमउ:
भजनउउ: मूवनभूमूभिपहूपपिन विभुभनभिपुठीकुमुम्निड्कमपुरुष्मिकमनीमिं
भूभिमउछिनेउठहंगउवैघुउभउभ पपनमगउउभनूठयेविभमक्लाउ। नकुठउभभन
मूदूपभिमानिकभूठग मेमवीमउउ:भ्रीपिउभमूवनविठवउ। भिवृउपपनभनगउनक
वनभूप: लेभम: पवंभेवजुनान्दूपैअवउिनवेउभ: उभंपदूउकंकिभ्रिउअनंमनयं
ठवउ। कभमग्रुष्कलेकिमपालेकिनभेनान पनुमुवगुकुमनुभनभूठललठेउ। वु
कनविविगिभ्रुष्ठभवपेउकउल्मा: पुउिठवभीन्मिनिपपभिमानिकभूठग वकभूहभ
मंष्ठियमूवप्रुउभक्ठवंशुमंकुवनवैउिपपभिमानिकनवुउ पडकउंपन:कदंदिक
दभघपमभ। उउिमूभिभजुपरालपपपभिमानिकमहीनष्ठुकमनीभमभुभ। ॥
ठिद्दिलीपउवम ठगव हीपिनंमूभुअभवलिकववभूम पुष्ठभिड्भनिमूभुलिकनं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

यस्मिन्नेते सन्त्यल्पतः केचिन्निवृत्तिः कथयामि वृत्तं तद्विसूत्रं समन्वयं वेदाद्यर्थाभिधेय
वेद्यमीशविद्यार्थ तत्त्वेषु मतिर्नीरसत्वं मतिसत्य यथा यदा यथा वस्तुस्वरूपं वेदनं सत्यं
सद्भावं तत्स्वरूपं वेदनं रसमसत्य यथा यदा यथा सत्यस्य यथा तत्त्वं सर्वसुतः यत
कर्मसु प्रमत्तः सत्त्वमित्यतः स्वभावः सर्वं तत्त्वं मतं लोके सत्सु सत्त्वं सम्यक् उत्तिष्ठ
विमर्शं कथय मित्य वर्णतः यद्गुरुवत्सर्वत्र सत्सर्वदा लोकेषु श्रीमत्पिण्डं
समस्तानां सत्त्वतः सत्सु तत्त्वं सति प्रभुत्वं यत्ति सत्त्वं सत्त्वतः तत्त्वाङ्ग सर्व सत्त्वः
समस्त यदा यदा तत्त्वं स्वभावः सत्त्वं सर्वकार्येषु विषमं मतं तत्त्वं
प्रीत्यै यत्र तत्त्वं निमनं समयः यत्र सद्भाव तत्त्ववेदी तत्त्वपरायणः सुखे दुःखे सु
स्वभावं प्रभावे भक्तिर्विवशः यत्र मेदः सुपात्रं सत्त्वम् यथा यदा समं वात्सल्यं वदन्ति
उदयं तत्र मित्रं देवानां तत्त्वं कृत्वा तत्कर्म तत्पवित्रं सदा यथा तत्र स्वभावं यथा
यत्कीर्तिम नमस्त्रिवेदं सर्वं सत्यं तत्त्वं प्रकरणं वेद्यः कर्तव्यं प्रवक्ष्यामि प्रसन्नमूर्ति
यथाशक्ति [illegible] कीर्तिम पितृदेवं सर्वं सम्यक् कीर्तितं
मा सर्वनिन्दं सज्जनं तत्त्वं सर्वं यथा यथादेशः युक्तियुक्तं तत्त्वं तत्त्वं समविनाशं भा
प्रथमं नियमं सर्वं [illegible] तत्त्वं नैव [illegible] तत्त्वं सर्वतः सर्वा
वयस्त्वं सुरसत्त्वं मित्रवत् किं तत्त्वं [illegible] तत्त्वं तत्त्वं सम
सैवकर्तृत्वं तत्त्वं तत्त्ववित् [illegible] नानावक्त्रः [illegible] तत्त्वं

स्वच्छन्दतन्त्रे [illegible] पटलः

सं १७

१७

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

१०

[illegible]

१०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

वत्सिषु पञ्चसु पञ्चमे भविष्यति अनंतनागे लपिशाचैः श्रुत्वा यावन्नवं यवमष्टं गच्छेतीरं धनंमम कु
यं च वेश्म एककर्मणी दिने येन कृष्णे पञ्चपञ्च त्रिंशः उदलेकेमनसो लेभ्यश्च पुण्येष्टितः नदि य
भूमौ पृच्छन्न नित्यं वत्सरं पुण्येहितः लिप्तं शिशिरेषु वत्सरे भवनेषु भयः पुण्ये पुष्प
वीरुधकृष्णीभवन्ति पुष्पैर्भवतु केशरैर्मणीर्वेदपौष्टिक विमलंमम निललोककर्मणी
वत्स पञ्चदश नागीकृत्वा सुभवन्तिः मणिकुष्ठिकष्ठुषुपुष्टिभिः वैष्णवपुष्टिवृष्टैः वैष्णवी
यः पुण्ये त्रिदिनेषु निर्मलं वा उद्धृत्य वत्सरे विपुलेषु पुष्पैर्भक्तिः पञ्चमे नागमनाः प
षु भुजंगमयः गन्धर्वनिर्वाणं भवति तथा मधु पुष्पं भविष्यति वनमध्ये भक्तिं स
वेदमन्त्रैर्मन्त्रवनमध्ये विभुवनदाराः सर्वं पञ्चवटी विपुलमनः कर्मफलं भवत्वं
सर्वं निललादिने उत्पन्नं मधुर धूपमधुरविलिप्तः पुण्ये बलिनं नगरे नवनीतकेशरी
यत्नेन मासं पञ्चविंशं पञ्चपित्रे पुण्ये वै उपेतभक्तैर्नरकं च विमानं ॥ इति श्री
नागपञ्चमी निललोककर्मणी पुण्येषु लभ ॥ पुत्रवित्तं धनं देवसेवा तत्र नन्दी सु
लक्ष्म्या मनुष्यकमलं नवधूपं नवपुष्पं शुभं ॥ मीनकुम्भमध्ये वत्सरं तथा लोके नाग
उत्कर्षम् एककर्मणी नागपूजा नवपुष्पैर्नाकपुरे मते नाकपुष्पं पुण्यतीर्थे कर्म ॥ यु
पु॰ मन्त्रविधि मात्रं च तत्र पुण्यं पुष्पैः एकमेव पुण्यमन्त्रं विधिमन्तः पञ्चमं भवति
नी॰ उत्पत्तिः पापं पातकं ॥ उत्पन्नं पुष्पैर्निर्मलं नीरं पुष्पैः सर्वमन्त्रैर्लीला निरयं
३३ फलं पुष्पैः एकमेव पुष्पमन्त्रं विधिप्रसन्नं ॥ पुण्यमन्त्रं भवेत् प्रदक्षिणे निरयं भयः ३३

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible] [illegible]
७१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ७१

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible] ॥ नारद [illegible] युधिष्ठिरः कथं [illegible]
नारदेन [illegible] श्रीकृष्णः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] नारदेन [illegible]
[illegible] नारदेन [illegible]
[illegible]
[illegible] नारदेन [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] नारदेन [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

३१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ युधिष्ठिरः ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] युधिष्ठिरः [illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible] विष्णुलोकं प्रयाति [illegible]
[illegible] ततः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ युधिष्ठिरः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ वसिष्ठः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

पालितम्। श्रणोऽस्मि सुतेष्टिं स्कन्दं कुलरामिवत्। उपवासं सुतेष्टिं यः कीर्तिसुखवतः विधिवन्म
निमज्जलयष्टिं लक्ष्मीतलम्। विधिनीं तु यज्ञं दत्तं अमृतम् [illegible]। [illegible] भक्तिं भनयोऽतिलम्
श्रवणं मनुजानीश्वरं [illegible] शिरःपदकमवः नतेष्टं त्रिपुरभवणम [illegible]। [illegible]
[illegible] भवपञ्चकेषु [illegible] भवणम [illegible]। [illegible]
[illegible] भवेत् परधिधितम्। [illegible] विमलमङ्गलमम [illegible] मपवं वपिविपव [illegible]
[illegible] भवेत् भनिमङ्गलमावयीय तिमंकयम्। [illegible]
[illegible] लिङ्गं नदि [illegible] विधिनिरदक्षरम [illegible]
[illegible]। [illegible] भिन्नं [illegible] यत्रमत्र भनेविपिषङ्क [illegible]
[illegible] पवित्रैः [illegible] पवित्रैः [illegible]। यज्ञवत्रिभवनिमूर्तिपवत्रियमालयम्। [illegible]
[illegible] नवक्षत्रवत्रमनयः [illegible]। [illegible] भवमानं तु यज्ञव
त्रिनयनमः [illegible] नवमानं भवत्रं [illegible] नयनमः ५
[illegible] जलमयम्। [illegible]
[illegible] लेकतादितम्। [illegible]
[illegible] पुरिपिनीम्। [illegible] विलीयते [illegible]
[illegible] गलयुतम्। [illegible] विपिनी [illegible]
[illegible]। [illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

𑆎𑆿 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆟𑆼𑆯𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 ॥ [illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

॥ इति श्रीमहालक्ष्मी[illegible]

[illegible] महालक्ष्मी [illegible]

[illegible] कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद [illegible] विष्णुवक्षःस्थलालये॥

पु॰ क॰ १

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible] कलिकलिभञ्जकलिविकरालिनि [illegible]
[illegible]
[illegible] मङ्गल [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] लक्ष्मी [illegible]
[illegible] नमः
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible] विमल [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

लोकैकलब्धदमना । मन्त्रगजकर्णपल्लवस्फुरविभ्रमयागमः वंभुवनिममत्रसुवभिष्टं वीतकल्मषम् ।
शतत्रिस्तुतिरियं शुभमत्तीवजितिकम् । नवकन्दविमलश्रीदग्धीनिःशेषम्...तं । भक्तविना
नृपतिः भुवनसमभष्टंवशः वर्णितुकमिकल्पा किमहं मयाभवत्र किंत्वनीमनुश्रीवरुद्धयामिनी
मा... मिनी किमहत्वकनीत्रैनकलमानंकलमुखं नृपलक्षणकक्षेत्रा अभिमतवरप्रभावीत
भुवनकमभिमन्दंद्वभवेदिमदिपीतव मङ्गललक्ष्मीपमन्दिलक्षयनीनवमप्रदम् । भनीभूत्सु
मगमूकमनुरूपमिछितमभिमविदपविभ्रमङ्गललक्ष्मीस्तुतम् । कमयमअविपिवअवविभ्रम
मनुय तपीतंवमनंभूत अमिहुल्लविलेमनः पीमनुष्ठमममपिपयभमन्यमहः ऊर्ध्वपञ्च
लानैत्वध्वंमकनकपुल्लमिपितम् । पूर्ववितमतयमंतअपैत्रनविमितः मङ्गलक्ष्मीस्तुतमयः
मयमगमकमनन क्षत्रेनकिनविपुलमुद्यैत्रिःअमपवः कुपलःअवधिभिकृतपल्लेमा
कृतयपि मङ्गललक्ष्मीपूअमनमत्रिपिःमवतअमपरम् । एवंपूकवअमवीनम्भिपूमा
यिनी अवपापजन्मवीअवमःपापजनिनीमा । एवंप्रकमवंधेतकङ्कृतभतभम् । यक
विभूतितंकन्तुपुपंमिहिमपामत लेकपालस्थपक्कृतिममस्तुवमनेगपनम् । ननीवभूमपः
कविभूतिमम्कन्तुपुतंयन्नतः मेवन्तुजनिकपूपम्मर्गध्वगःपपूतितसृप्पियम् । उर्ध्वसेव
विगुल्लयतिमहः मेलिपूकमङ्गलेपुभिनेवनपपुनीवसतिमालक्ष्मीपुपंविभून
मकृत्वाववकत्रावजपचतुंरतमतुमं मनुकलभुपंविभ्रमंममन्त्रयिमति पतंसंम
नयमितंमूवेयकृमममदितः नमनुलतितंलक्ष्मीरलक्ष्मीस्त्रैवकम्पयत । अवपापविनिभ
कृःभुमलेकमनीयत ॥ इति श्रीमङ्गललक्ष्मीस्तुतम् ॥

मू॰
क॰
७

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

यन्त्रं मन्त्रं ... तद्धितं ॥ पद्मे पद्मानने ... मम ॥ सर्वसम्पत्कलं कर्तृं श्रियं ...
सत्त्वमयं ॥ पद्मये ... महाप्रसन्नं कल्पवृक्षं सर्वम् ॥ सुहितेन ... महामन्त्रं ...
भुवन ... विलासिनी ... महालक्ष्मि
... विश्वरूपे ॥ ... मन्त्रः ॥
... कमलं कमलालये कमले कमलेक्षणे ... मन्त्रः ॥
... महालक्ष्मि ... ॥ ... मन्त्रः ॥
... महालक्ष्म्यः ... ॥ ... ॥
... ॥ ... मन्त्रः ॥
... ॥ ... मन्त्रः ॥
... ॥ ... मन्त्रः ॥
श्रियं ... विष्णुपत्नीं विष्णुवल्लभां क्षीराब्धितनयां भुवनमालिनीं पद्मवासिनीं
पद्मप्रियां महालक्ष्मीं ... विश्वभर्त्रीं विश्वरूपिणीं ... [illegible]
... ॥ ... [illegible]
... ॥ ... मन्त्रः ॥ ... [illegible]
... नमः ॥ ... मन्त्रः ॥ ... [illegible]
... महालक्ष्मि ... ॥ ... मन्त्रः ॥ ... [illegible]
... नमः ॥ ... मन्त्रः ॥ ... [illegible]
... ॥ ... मन्त्रः ॥ ... [illegible]

लक्ष्मी [illegible] ॥ इति भुजंगं (?) ॥ [illegible] लक्ष्मी [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ इति विमलं (?) ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥

१

समाप्तिः ॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मघिधृषकुमार मिलमिवीनकंथुउ मिलमिवीअभयतत्कुमारैच तिरलकैः तुर्तैलगाभविधिनंयइश्री
मक्षिरभुनिः मघलेत्रकृतकरांकृत्नदभु विभितृतभ। मभुनिःश्रीवृतंमिहं मिलमिवीभकरयतं पू
नतघभाकृत मिलमिवीभजयस मणिहुकीलिलालठिलवृहैकनिरवृत ततःकमभिमगत्ठवन
भगपिटकैनपः भ्रुवेमृमनिरहतं ममस्रवभलिमनभ। मघघमभुनिंधूनकैयंपतृतिकमृतभ। मभ्रु
तुतुंअभमप्रयगलृतंपूमिभुनिः मघगतृनिमंगधूं मिलमिवीअभवित्रः मिलमिवृमअभिविवृकु
लभमलेनपः मिलमिवीबरंबवृ मिलमिवाःअभगभभ। अभमूमयघगनृयभनेअभृतमभ तग
भक्तलकृपलस्कृतवभलिमन पभभगपिकंतउधियंगृबमृवतः मिलमिवृअभंभघमिलमिव
भकृपिलं अपृत्रीपवंजीधपघवृलिभक्तलेनपः वृत्रमृशैवअभन्नद्रुतकः अधित्रतनः मकृमन
लकृपमृअहीतवयघगतः कृक्रघभकलंकैगमक्तलेकृतकृवाः अभनःभुतमिहकुतगाइंविष्ठ
मिवतभ। ॥ नगमृतवम ॥ गृतुकस्तिंभव्रकृतनंवृतभतअभ। यक्रघमवल्नथिलठेवगि
तंत्रलभ। भूयगभिवतीजेय मिवभुठनवनिव नमीभुमयघगनृवृतेभतेघवृतभ। पभन
तंमकभमअेयंमयमिवाकृमि तमिकृवृतंभवृतनमृकृअभवित्रः ॥ श्रीसक्षृतवम ॥
वृतमिमअघमहृनगमिनेयमिभूभ। ॥ भधितघियभभ्रुक्षितठंललठ तुभधिकृततंघ
तकुभप्रनेदघमृतठिभतठलअक्षुःभइधइमिवक्षुः पतंघतृगगभकीतुभयुदमः
भ्रियभ। कृगनतिनःभइमनलक्षिमयकृम ॥ इतिठविधृतेठकृ मृतंभक्तलकी
वृतभ। ॥

कृ॰
क॰ १

त्रिस्रोतल्वयनमः त्रिस्रोपमजौस्वरठस्रकयर्मिनमः त्रिस्रोत्रैवी त्रिगः
त्रि सर्वं सर्वं भवदेव भदिमन्लभवडभमी पदृअउरागमृ पुदकेउ स्र्वै
डब मवगस्रेडमिस्क्कमि यद्गुभ,भवरबहमी रभनिक्कसृभवडूं स्रहम
हुमदद,भज यद्मभवहदेवमि येनिंद्रपस्राद्रभूठे मकंगाउंभयहेदव
दस्रोंभूदयानिठे हैरवः यद्मभवहदेवमि निंद्रपस्राडियेरः भयडिन
रकंभेरं डोकृदवीठवेनरः स्र ग मेविभवकुमि यद्मभुभरनबगाभा यंस्र
दभिरः भूरू भुभ्रुयडोजरंभ्रूये ब्रुनेवेनभवदेडु मिवपरंडडःपरं
डद्रभद्रु भवद्रु भद्रैगद्म भ्रुभिभ्रुये पद्मभगेमिक्रुकेदे भद्रयययद
डःपरं डडेपवदैमिभुटे वउिक मिक्रुकेडक डद्रेभस्रहमरूल भजबरेभ
रस्रवि गंगायंप्रवययय दडःपरंगमृभवकिः दविहूहिनलभिउं १द
भवहुडडः वनिदरभवकेडे प्रवभयपडःपरं लक्कीकेडडःप्रव
दनिक्रुकुभमभूयेडो रगामृभेदनिक्रुकेडे रेपभदमृभवरडो नहूमरंडडम्र
य डडमेवकडोजके प्रवभवःदविमडे डोजयपडडःभूये भुलकुरेडडः
प्रह भडडोजेभदेस्रवि डडेगडेडप्रदभे उदवटंभवस्रवि डइलस्रुदसरं
डदमेवभडभ्रिड डडःप्रदमृभेनह्रप्रदाह्रभलेभुठे प्रह्रमहृमविवित्रम्

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

पं हृदंमाद्व्र दमन्य मुद्गु रमुरमा भिमय म मडंव क्रुंगल्लमः पयय भुंस
पिथंरगाभस्र वमकमममात्रिडः पूर्लिपहमदेमम प्रतमत्रिरयकमा
मदरकरम पुरुंगलपडमृ हिकलमृहुयवङो पंमुमृडमकषडा
गल्पडिविवि हुघिडःकृतिडपिम कृडामम् दलडह पपगकंगष्क्ल
पीवगदमविभम मृदनमुद्ग दोठवडा लम्रुदगीडिविनम कृदवडारमु
मकुंमृमुडहगद्र दगल्पडिपिये: दमन्नुमदडमृ कृदवमृदग्रम: म
वमभूपडेगद्र डहगल्पहिः प्रियवम न्नुम्हडरदम नम्मभृतविनिम्द
डम्महृडुपविद्धि ददलम्मदगीनूनं लम्हदवागः मुद्व मम्मुडमवाकिप्रियः
गडुदिरदृवुमभि लम्भ्रुदगगलीडल येददाडिद्धिरम्भुभु हगडदलम मुयडा
लम्भुदगनलीडोरिय:प्रय हदयमृद भयउमिवमलेहं यहगडनमेप्डे
डिडकपिडुंदवि लम्भुदगीनलीगुठ मृदमठडिः पूर्णिमदवपडकनमिती
हेधपलेगुरुकालिकन्ध्यपामः मुडगहदः पंडिभवपपयपडय
पडिम्रोल्म्भ्रुदगीनमडडीयः पलनः ॥ ति तेवः ॥ विमयुदवि भुवकृ
मि हुउजमडडममा यद्गुहमहडरउमदपडकयद्वडा हुउमुतिविरवैति

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri